भारत 22 ईटीएफ

साभार : बिजनेस लाइन

07 अगस्त, 2017 **आनंद कल्याणरमण (वरिष्ठ सहायक संपादक)**

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-3 (भारतीय अर्थव्यवस्था) के लिए महत्वपूर्ण है।

ना तो यह वित्तीय राजधानी मुंबई के लिए कोई कोड है और ना ही यह ही देशभक्त अभिनेता मनोज कुमार से संबंधित है। भारत 22 एक नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) है जिसकी घोषणा सरकार द्वारा पिछले हफ्ते की गई थी।

यह क्या है?

भारत 22 एक ईटीएफ है जो 22 शेयरों के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा, जिसमें 22 सरकारी कंपनियों के शेयर को शामिल किया गया है। ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) एक तरह का म्यूचुअल फंड है जिसके यूनिट की खरीद-फरोख्त एक शेयर की तरह ही स्टॉक एक्सचेंज पर होती है, जो इसके सूचकांक और उसके प्रदर्शन को भी प्रतिबिंबित करता है। एक ईटीएफ इकाई फंड के एक टुकड़े को दर्शाता है, जारी की गई इकाइयां उद्धृत मूल्य पर किसी को खरीदने या बेचने के लिए एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध हैं।

पहले वाले ईटीएफ में जहां ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियों का बोलबाला था, वहीं भारत-22 ईटीएफ छह क्षेत्रों का विस्तार करेगी, जिसमें बुनियादी सामग्री, ऊर्जा, वित्त, एफएमसीजी, औद्योगिक और उपयोगिताएँ शामिल है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, खनिक, निर्माण कंपनियों और ऊर्जा प्रमुख कंपनियों के अलावा, ईटीएफ में SUUTI (भारत यूनिट ट्रस्ट ऑफ स्पेशल अंडरटेक्टिंग) में सरकार की कुछ हिस्सेदारी भी शामिल होगी। वास्तव में, SUUTI हेवीवेट (एलएंडटी, आईटीसी और एक्सिस बैंक) का इंडेक्स पर 40 फीसदी भार है। इसके लम्बी सूची में अन्य बड़े नामों में एसबीआई, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और ओएनजीसी (5 से 9 प्रतिशत प्रत्येक) शामिल हैं। साथ ही इसके साथ, नाल्को, इंडियन ऑयल, कोल इंडिया, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बैंक ऑफ बड़ौदा, एनबीसीसी (इंडिया), इंडियन बैंक और एसजेवीएन के भी स्टॉक शामिल हैं। भारत 22 ईटीएफ का प्रबंधन आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी द्वारा किया जाएगा, जबकि एशिया इंडेक्स प्रदाता होगा। सूचकांक को सालाना पुनः संतुलित किया जाता रहेगा।

भारत 22 के शेयर

कंपनी	एक शेयर की कीमत (4 अगस्त को बीएसई पर)
नेशनल एल्युमिनियम कंपनी	69
ओएनजीसी	166.55
इंडियन ऑयल	417.80
भारत पेट्रोलियम	516.55
कोल इंडिया	249.20
भारतीय स्टेट बैंक	305.45
एक्सिस बैंक	508.45
बैंक ऑफ बड़ौदा	158.95
आरईसी	173.90
पावर फाइनेंस	128.30
इंडियन बैंक	304.55
आईटीसी	280.75
लार्सन टूब्रो	1176.70
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	178.85
इंजीनियर्स इंडिया	158.95
एनबीसीसी	216.10
पावर ग्रिड	224.85
एनटीपीसी	177.25
गेल	378.85
एनएचपीसी	30.20
एनएलसी	98.80
एसजेवीएन	32.90

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

ईटीएफ तंत्र सरकार के विनिवेश लक्ष्य को पूरा करने में मदद करने के लिए एक स्मार्ट, कारगर तरीका साबित हुआ है, जो राजकोषीय घाटे को नियंत्रण में रखने के लिए महत्वपूर्ण कारक है। इससे पहले जब सरकार ने व्यक्तिगत पीएसयू में बड़े भाग को बेचकर पैसा कमाया था, तो शेयरों की पेशकश के चलते शेयरों में लगातार गिरावट आई और कर्मचारियों के नाराजगी का भी कारण बना था। ईटीएफ मार्ग एक बड़ी बास्केट में सरकार को छोटे हिस्से (2-3 फीसदी) का भुगतान करने के लिए एक सुव्यवस्थित समाधान प्रदान करता है। देखा जाये तो इससे हर कोई खुश है, अर्थात राज्य को पैसा मिलता है, निवेशकों को पीएसयू का एक भाग मिल जाता है और कर्मचारियों को पीएसयू छतरी के नीचे रहते हुए खुशी मिलती है।

वर्ष 2014 में लॉन्च किए गए ऊर्जा स्टॉक-हैवी सीपीएसई ईटीएफ ने तीन तिमाहियों या चरणों तक 11,500 करोड़ रुपये के उछाल के साथ रहा। जिसके बाद सरकार ने इस बार उच्च लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत 22 ईटीएफ में सीपीएसई ईटीएफ में 10 शेयरों की तुलना में दोगुने से ज्यादा और बहुत व्यापक क्षेत्र की कवरेज है। 2017-18 में विनिवेश लक्ष्य 72,500 करोड़ रुपये है, जिसमें से अभी तक 9,300 करोड़ रुपये अभी तक प्रस्तुत किया गया है। सरकार ने विनिवेश के लिए वाहन के रूप में ईटीएफ मार्ग का इस्तेमाल करने के अपने इरादे पर कोई राज नहीं रखा है। इसलिए यह उम्मीद की जा रही है कि भारत 22 बेहतर प्रदर्शन करेगा। साथ ही यह समय और इस ईटीएफ की संरचना काफी शानदार है। बाजार गतिमान है और सरकार शीर्ष डॉलर को अपनी ओर आकर्षित कर सकती है।

हमें क्यों चिंता करनी चाहिए?

बाजार में जाने के बाद सरकार जल्द ही भारत 22 ईटीएफ लॉन्च कर सकती है। इसके बाद हमे यह तय करना होगा कि निवेश करना है या नहीं। जैसे कि अतीत में सरकार हमें लुभाने के लिए डिस्काउंट या बोनस जैसे प्रलोभन दे सकती है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या हमें इसकी ओर आकर्षित होना चाहिए? वैसे अगर यह सौदा अच्छा हो, सूचकांक संरचना और पीएसयू शेयरों की स्थिति बेहतर हो और सरकार की मदद करना चाहते हो तो शायद हम इस ओर आकर्षित हो जाये। लेकिन यदि हमे अपने घर में पूरी टोकरी खरीदे बिना ही व्यक्तिगत स्टॉक का चयन कर सकते हैं तो फिर यह हमारे लिए बेहतर सौदा न हो।

एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ)

- शेयर बाजारों में सूचीबद्ध इंवेस्टमेंट फंड को एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) कहते हैं। ईटीएफ में शेयरों का समूह होता है, जिसे बाजार में खरीदा और बेचा जाता है। वहीं, म्यूचुअल फंड की ट्रेडिंग नहीं की जाती है।
- ईटीएफ की कीमत नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) से पता चलती है। ईटीएफ के शेयर या बॉन्ड्स के मार्केट वैल्यू से एनएवी पता की जाती है। इसमें नकदी और अनपेड डिविडेंड भी शामिल किए जाते हैं। यह विश्व भर में रिटेल निवेशकों और संस्थागत निवेशकों में बहुत ही लोकप्रिय निवेश का साधन है।

ईटीएफ में निवेश के फायदे-

- शेयरों की तरह ईटीएफ की खरीद-फरोख्त होने से कीमतों पर नजर रखी जा सकती है।
- ईटीएफ हर रोज निवेश की जानकारी देते हैं, जिससे निवेश ज्यादा पारदर्शी होता है।
- ईटीएफ को आसानी से बेचा जा सकता है।
- ईटीएफ में निवेश करके अलग-अलग सेक्टर में निवेश किया जा सकता है।
- ईटीएफ डिविडेंड पर आयकर नहीं लगता है।
- हर ईटीएफ के लिए फंड मैनेजर होते हैं, जिससे निवेशक को शेयरों की खरीदारी या बिकवाली नहीं करनी पड़ती है

ईटीएफ की कमियां-

- ईटीएफ में सिर्फ 1 ही देश के शेयर होते हैं।
- ज्यादा ट्रैकिंग एरर होने से निवेशक के घाटे/मुनाफे पर असर पड़ता है।

भारत 22 से संबंधित तथ्य-

- सरकार ने शुक्रवार को भारत 22 ईटीएफ के बारे में घोषणा की। जिसमें 22 सरकारी कंपनियों के शेयर को शामिल किया गया है। सरकार ने बताया है कि इन शेयरों में सरकारी बैंक, केंद्र सरकार के उपक्रम और यूटीआई आदि के शेयर शामिल है।
- इस बात की घोषणा केंद्रीय वित्तमंत्री अरुण जेटली ने की। वित्त मंत्री ने बताया कि भारत 22 नामक एक नया ईटीएफ लेकर आया हैं। जिसके तहत अब तक इस साल की सबसे बड़ी घोषणा की गई है।
- इस विषय पर आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया है कि भारत 22 करीब छह क्षेत्रों का एक विविध पोर्टफोलियो है जिसमें आधारभूत सामग्री, ऊर्जा, वित्त, एफएमसीजी, औद्योगिक और उपभोक्ता सेवा आदि की कंपनियों के शेयरों को शामिल किया गया है।
- इसके आगे उन्होंने बताया है कि इसमें इन क्षेत्रों की 20 प्रतिशत सेक्टोरियल कैपिंग है और 15 प्रतिशत की शेयर कैपिंग रखी गई है।
- वित्त मंत्री ने आगे बताया है कि वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक और एक्सिस बैंक आदि बैंको के शेयरों को भी शामिल किया गया है। जिसमें सरकार की हिस्सेदारी भी होगी। इसके साथ ही इसमें एफएमसीजी कंपनी आईटीसी आदि कंपनियों को भी शामिल किया गया है।

संभावित प्रश्न

हाल ही में चर्चा का विषय रहा 'भारत 22' से आप क्या समझते हैं? 'भारत 22' के भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा कीजिए। (200 शब्द)